Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 23-08-2006
Participants : Rawat Prof. Rasa Singh,Maheshwari Smt. Kiran

an>

Title : Need to increase the amount of relief being provided from National Relief Fund.

श्रीमती किरण माहेश्वरी (उदयपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आभारी हूं कि आपने एक संवेदनशील मुद्दे पर बोलने का समय दिया। मैं राजस्थान से हूं और राजस्थान की ओर सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहती हूं। राजस्थान में बाढ़ की स्थिति बहुत गम्भीर है। राजस्थान के 12 जिले बाढ़ से ग्रसित हुए हैं। ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है कि वहां कई घर बह गए हैं जिससे कई लोग बेघर हो गए हैं, कई मकान टूट गए हैं, सड़कें और पुलिया टूट गई हैं जिससे सम्पर्क टूट गया है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I do not understand what is happening here. Are you really serious that Parliament of India should continue to function? If you are serious, then it is not shown by your conduct and it applies to everybody. You say, 'why do you look here?'

... (*Interruptions*)

13.00 hrs.

अध्यक्ष महोदय : हम क्या करें, हम एक साथ नहीं बुला सकते, हम बहुमुखी नहीं हैं। I do not have ten faces that I can see every side. The hon. Member, who has been given the opportunity, has not taken the trouble to give notice in time and even then I am calling her. Some Members are so much interested about raising the people's problems that they have not got the time to give the notice in time.

श्रीमती किरण माहेश्वरी : माननीय अध्यक्ष जी, राजस्थान के दक्षिणी भाग में जो बाढ़ आई है, उसके कारण लाखों लोगों को क्षति हुई है। वहां गांवों के सम्पर्क टूट गये हैं, लोग बेघर हो गये हैं। राजस्थान के उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, पाली, सिरोही, बूंदी, कोटा, झालावाड़, बाड़मेर, जैसलमेर, टौक तथा चित्तौड़ इन 12 जिलों में स्थिति बहुत खराब है। इसलिए मैं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहती हूं। जहां तक राजस्थान सरकार का सवाल है, राजस्थान की माननीया मुख्य मंत्री हवाई सर्वेक्षण करके बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का ध्यान रख रही हैं...(व्यवधान)

13.02 hrs. (Mr. Deputy Speaker in the Chair)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहती हूं कि जिस तरह से राजस्थान की मुख्य मंत्री बहुत संवेदनशील होकर वहां की समस्याओं को देख तथा सुन रही हैं, उसी तरह से केन्द्र सरकार भी राजस्थान की ओर अपना ध्यान दे। आज राजस्थान बाढ़ से जूझ रहा है। वहां बाढ़ की परिस्थिति के कारण लोग बेघर हो गए हैं। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार राजस्थान के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों पर अपना ध्यान केन्द्रित करे। मैं केन्द्र सरकार को सुझाव देना चाहती हूं कि कैलामिटी रिलीफ फंड और नेशनल कैलामिटी कन्टिनजैन्सी फंड की घोाणा ऊंट के मुंह में जीरे के समान हैं, जो वर्ा 2001 में घोति किया गया है। इसके तहत फुल्ली डैमेज्ड पक्के घर को दस हजार रुपये, कच्चे घर को मात्र छः हजार रुपये, सीवियरली डैमेज्ड पक्के घर को मात्र दो हजार रुपये, कच्चे घर को मात्र 1200 रुपये और थोड़े डैमेज्ड घर को मात्र आठ सौ रुपये का मुआवजा दिया जाता है। वह बहुत कम है। मैं समझती हूं कि इसमें संशोधन किए जाने की आवश्यकता है।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Silence please.

… (*Interruptions*)

श्रीमती किरण माहेश्वरी : इसलिए केन्द्र सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। इसमें यदि संशोधन होगा, वह केवल राजस्थान के लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए होगा। इसलिए इसमें संशोधन करना बहुत आवश्यक है। जो गरीब लोग अपने घरों से बेघर हो गये हैं, वे मात्र आठ सौ रुपये में अपने घर नहीं बना सकते, मात्र 1200 रुपये में घर की छत नहीं बन सकती। यह एक बहुत संवेदनशील मुद्दा है। गुजरात में भी भयंकर बाढ़ आई है…(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded except the submission by Shrimati Kiran Maheshwari.

(Interruptions) *

श्रीमती किरण माहेश्वरी : मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगी कि जो नेशनल कैलामिटी कन्टिनजैन्सी रिलीफ फंड तथा कैलामिटी रिलीफ फंड है, इनमें तुरंत संशोधन मे किया जाना चाहिए। वर्ा 2001 से इस संबंध में आदेश निकले हुए हैं। इसलिए मेरी मांग है कि इसमें संशोधन करके जो फुल्ली डैमेज्ड घर हैं, उन्हें कम से 30 हजार रुपये, कच्चे घर को कम से कम 20 हजार रुपये, सीवियरली डैमेज्ड पक्के घर को दस हजार रुपये और कच्चे घर को पांच हजार रुपये के मुआवजे की घोाणा केन्द्र सरकार को करनी चाहिए। मैं आपके माध्यम से इस मांग को केन्द्र सरकार के सम्मुख रखना चाहती हूं।

इसके साथ ही एक निवेदन और करना चाहती हूं कि केन्द्र सरकार एक दल राजस्थान में भेजे जो वहां के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का सर्वे करके उचित कार्यवाही करके वहां के लिए तुरंत सहायता प्रदान करे। मैं इस तरफ भी केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्ि ात करना चाहती हूं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Silence please. No running commentary please.

… (*Interruptions*)

श्रीमती किरण माहेश्वरी : मेरा निवेदन है कि केन्द्र सरकार राजस्थान को एक हजार करोड़ रुपये का पैकेज तुरंत प्रदान करे।…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री भूपेन्द्र सिंह सोलंकी जी अब आप बोलिये।

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार वहां एक टीम भेजकर बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का सर्वे कराये…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : बिना परमीशन के कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जायेगा।

(Interruptions) *

उपाध्यक्ष महोदय : रासा सिंह जी, आप नोटिस दे दीजिए, आपको एशोसिएट कर देंगे।

…(व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत : उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान में बहुत ही गंभीर स्थिति है।…(व्यवधान)

---

*Not Recorded.

उपाध्यक्ष महोदय :आप इन्हें एशोसिएट कर देना। मैंने आपको एशोसिएट करवा दिया है। अब आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय :आप लोग नोटिस दे दीजिए। आपको एशोसिएट करवा देंगे।

…(व्यवधान)

श्रीमती किरण माहेश्वरी : उपाध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार से आश्वासन चाहते हैं, सरकार हमें आश्वस्त करें।…(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Prof. Rasa Singh Rawat and Shri Jaswant Singh Bishnoi have been allowed to associate with this matter.

… (*Interruptions*)